मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जर्मनी के स्टटगार्ट के लैप टेक्नोलॉजी संस्थान का भ्रमण किया। उन्होंने म्यूनिख में युवा उद्यमियों से भी मुलाकात की। डॉ. यादव ने भारतवंशी उद्योगपतियों से निवेश संबंधी चर्चा की।

### जर्मनी में भारतीय संस्कृति का उत्सव

# मुख्यमंत्री ने म्यूनिख में फ्रेंड्स ऑफ एमपी से किया आत्मीय संवाद

भोपाल(काप्र)।

**जर्मनी के म्यूनिख शहर में गुरुवार रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय प्रवासी समुदाय फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ एक अनूठा संवाद किया। भाषणों और औपचारिकताओं को पीछे छोड़ते हुए, उन्होंने सहज, दोस्ताना और सारगर्भित चर्चा के माध्यम से सभी को भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से जोड़ा।**

भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रारंभ हुए कार्यक्रम ने डायस्पोरा के प्रत्येक सदस्य को देशभक्ति और देशप्रेम से सराबोर कर दिया। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका समावेशी और सकारात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने इसे इस तरह परिभाषित किया कि भारत में परेशानी में आनंद ढूंढने की कला और सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जर्मनी को भारत का करीबी बताते हुए कहा कि जर्मनी भी सत्य, संस्कृति और ज्ञान का सारथी है। यही कारण है कि दोनों देशों के विचार और मूल्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण और राष्ट्रगान के साथ हुई। तिरंगे झंडे के सम्मान और दीप प्रज्ज्वलन से समारोह के शुभारंभ में भारतीय संस्कृति की झलक हर कोने में दिखाई दी। डॉ. यादव ने 2 लाख से अधिक भारतीय प्रवासियों और 35 हजार से अधिक भारतीय छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व जताया, जो जर्मनी में शिक्षा और कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल कायम कर रहे हैं।

### रात्रि भोज पर संवाद

मुख्यमंत्री ने डायस्पोरा के साथ रात्रि भोज के दौरान खुलकर आत्मीयता से संवाद किया। उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए भारतीय समुदाय को प्रोत्साहित किया कि वे जर्मनी में रहते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें। यह आयोजन भारतीयता के गौरव, परंपरा और आधुनिकता के समन्वय का प्रतीक बना। डॉ. मोहन यादव के इस विशेष प्रयास ने फ्रेंड्स ऑफ एमपी के मंच को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आत्मीय और प्रेरक अनुभव में बदल दिया, जहां भारतीय प्रवासियों को अपनी संस्कृति और मूल्यों से फिर से जुड़ने का अवसर मिला।

### एसएफसी एनर्जी के साथ हरित ऊर्जा की नई साझेदारी

डॉ. यादव के नेतृत्व में जर्मनी दौरे पर गई इन्वेस्ट मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वहां की शीर्ष कंपनियों से साझेदारी के लिए बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने म्यूनिख के समीप ब्रून्थल स्थित एसएफसी एनर्जी कंपनी का दौरा कर उसकी विशेषताओं को जाना। यह कम्पनी डायरेक्ट मेथनॉल और हाइड्रोजन फ्यूल सेल निर्माण में अग्रणी कंपनी है। एसएफसी एनर्जी के सीईओ डॉ. पीटर पोडेसर ने कंपनी की प्रमुख तकनीक पर विस्तार से जानकारी दी और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के क्षेत्र में उनके नवाचारों से अवगत कराया। इस दौरान, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को मध्यप्रदेश में लागू करने और नवकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संभावनाओं पर गहन चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने बर्लोकर समूह के साथ एक औपचारिक बैठक भी की। बर्लोकर, जो प्लास्टिक एडिटिव्स के क्षेत्र में अग्रणी जर्मन कंपनी है, वर्ष 2001 से मध्यप्रदेश के देवास में अपनी इकाई संचालित कर रही है। इस कंपनी ने प्रदेश में अब तक 400 करोड़ रूपये से अधिक का निवेश किया है और 300 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है। बैठक में बर्लोकर के विस्तार की संभावनाओं, नवीन तकनीकों के उपयोग और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर विचार-विमर्श हुआ। यह सहयोग न केवल मध्यप्रदेश के प्लास्टिक उद्योग को उच्च गुणवत्ता वाले एडिटिव्स से समृद्ध करेगा, बल्कि रोजगार के अवसरों और औद्योगिक विकास को भी गति देगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरे को प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जर्मनी के साथ साझेदारी से मध्यप्रदेश को हरित ऊर्जा और नवीनतम तकनीकों के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। यह दौरा प्रदेश में 'उद्योग वर्ष 2025' के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

## उद्योगपतियों से चर्चा के तुरंत बाद भोपाल में भूमि आवंटन पत्र जारी

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की जर्मनी यात्रा ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। गुरूवार को डॉ यादव ने निवेशकों से मिलने के बाद एसीईडीएस को भोपाल में भूमि आवंटित की। यह निर्णय मध्यप्रदेश को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। भोपाल के अचारपुरा में जर्मन कंपनी एसीईडीएस लिमिटेड को 27,200 वर्गमीटर (672 एकड़) जमीन आवंटित की गई है। इस समझौते के तहत कंपनी ने भोपाल में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रूपये से ज्यादा का प्रस्ताव दिया है। इस कम्पनी की स्थापना से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इस उद्योग की स्थापना से एक्स-रे मशीन निर्माण एवं अन्य उपकरण, सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट सहित नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में कार्य किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव की इस यात्रा ने प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए अब ऐसा माहौल तैयार हो चुका है, जहां व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। उनकी दूरदर्शी सोच और निवेशकों के प्रति सकारात्मक रवैया ने ही जर्मन कंपनी को प्रदेश में अपने विस्तार की प्रेरणा दी है। भोपाल में जर्मन कंपनी एसीईडीएस को भूमि आवंटन मात्र एक शुरुआत है। यह साझेदारी न केवल औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाएगी, बल्कि इसे प्रदेश के समग्र विकास के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री की इस ऐतिहासिक यात्रा ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि मध्यप्रदेश न केवल भारत बल्कि वैश्विक निवेश का अगला प्रमुख केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है।

### भगवान बिरसा मुंडा के वंशज के निधन पर शोक व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंगल मुंडा के निधन पर शोक व्यक्त किया। स्व मंगल मुंडा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उनके निधन को सम्पूर्ण जनजातीय समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। डॉ यादव ने भगवान महाकाल से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजन को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करें।

मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं नवनियुक्त डीजीपी कैलाश मकवाना ने शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव की सेवानिवृति पर सम्मानित कर विदाई दी।

# मप्र सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रबंधन में होगा देश का अग्रणी राज्यः देवड़ा

16 लाख से ज्यादा कर्मचारियों के वित्तीय डाटा का प्रभावी प्रबंधन, प्रति वर्ष होगा 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजेक्शन

भोपाल (काप्र)।

**उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया है कि मध्यप्रदेश वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। वित्त विभाग महत्वाकांक्षी एकीकृत वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था करने जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेस एवं मशीन लर्निंग आधारित उत्कृष्ट साफ्टवेयर को मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य के रूप में क्रियान्वित करेगा।**

साफ्टवेयर से राज्य के 10.2 लाख कर्मचारी, 5.6 लाख पेंशनभोगी, 5917 संवितरण कार्यालय, सम्पूर्ण प्रदेश का बजट एवं समस्त विभाग लाभान्वित होंगे। इसके माध्यम से प्रदेश के प्रति वर्ष 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजैक्शन किया जावेगा। मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य है, जहां इतनी बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों के वित्तीय डाटा का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का प्रयोग कर प्रबंधन किया जायेगा।

अब यह व्यवस्था पूरी तरह से पेपरलेस, कान्टैक्टलेस एवं फेसलेस होगी। साथ ही एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर यूजर फ्रेंडली होगा।

### नेक्स्ट जनरेशन का एडवांस अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर

नेक्स्ट जेन को क्रियान्वित करने के लिए म.प्र. सरकार समन्वित तैयारी कर रही है। वित्त विभाग ग्लोबल टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के अनुरूप नवीन वित्तीय प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है। इस महत्वपूर्ण परियोजना में आईटी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों की टीम काम कर रही है। अब तक आईटी क्षेत्र की 28 कंपनियों ने सॉफ्टवेयर तैयार करने में अपनी रूचि दिखाई है। प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी ने आईटी कंपनियों को बिड में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया एवं कंपनियों के अनुभव तथा श्रेष्ठतम रिसोर्स से राज्य को लाभान्वित करने के लिये अनुरोध किया। आयुक्त, कोष एवं लेखा श्री लोकेश कुमार जाटव ने इस परियोजना को राज्य शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी बताते हुए कहा कि यह डिजिटल गवर्नेंस की एक अनूठी परियोजना है जो देश में एक आदर्श उदाहरण स्थापित करेगी।

# एफएक्यू गुणवत्ता के अनाज का ही करें उपार्जनः शमी

**भोपाल( काप्र )। खाद्य, नागरिक आपूर्ति निगम और वेयर हॉउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। एफएक्यू गुणवत्ता केअनाज का ही उपार्जन करें। निर्धारित मानक से कम गुणवत्ता के खाद्यान्न की खरीदी नहीं करें।**

प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने यह बात प्रशासन अकादमी में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज उपार्जन की तैयारी तथा पात्र परिवारों को राशन वितरण की समीक्षा के लिये आयोजित कार्यशाला में कही। श्रीमती शमी ने कहा कि इस वर्ष धान मिलिंग उपार्जन के साथ ही की जायेगी। अतः जारी निर्देशों के अनुसार धान की मिलिंग कराकर चावल गोदामों में भंडारित कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस पर विशेष ध्यान दें कि भंडारित अनाज खराब नहीं हो। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृ? कर पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण समय पर सुनिश्चित करें।

आयुक्त खाद्य एवं प्रबंध संचालक वेयर हॉउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन सिवि चक्रवर्ती ने कहा कि धान का उपार्जन केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन्स के अनुसार करें। धान खरीदी की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जायेगी। अतः जहाँ भी नॉन एफएक्यू धान की खरीदी होगी, उसकी जानकारी यहाँ तुरंत मिल जायेगी। उपार्जित अनाज के भंडारण और वितरण की पूरी मॉनीटरिंग करें।

# रतलाम मेडिकल कॉलेज में सफल जागरूक क्लेविकल फ्रैक्चर सर्जरी

भोपाल(काप्र)।

**उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रतलाम मेडिकल कॉलेज द्वारा जागरूक क्लेविकल फैक्चर सर्जरी का सफलतापूर्वक संपादन प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।**

यह सर्जरी न केवल सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं के बढ़ते स्तर को दर्शाती है, बल्कि यह साबित करती है कि हमारे डॉक्टर्स और चिकित्सा कर्मियों की विशेषज्ञता किसी से कम नहीं है। उन्होंने इस उपलब्धि के चिकित्सकीय टीम को बधाई दी है। इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली टीम में ऑर्थोपेडिक्स विभाग से डॉ योगेश तिलकर (एसोसिएट प्रोफेसर) और डॉ उत्सव शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर) शामिल थे। एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर और पेन मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ शैलेंद्र डावर के मार्गदर्शन में सर्जरी पूरी की गई। सर्जरी के दौरान इंटरस्केलिन ब्लॉक और सुपरफिशियल सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक का उपयोग किया गया, जिसे अल्ट्रासाउंड मशीन की सहायता से सटीकता के साथ लागू किया गया। डीन प्रो डॉ अनीता मूथा ने बताया कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रतलाम जल्द ही एडवांस पेन क्लीनिक की शुरुआत करेगा। इसमें क्रॉनिक कैंसर पेन, स्पॉन्डिलोसिस पेन, लो बैक पेन, फ्रोजन शोल्डर पेन, एल्बो और नी पेन, और हिप जॉइंट पेन जैसी जटिल समस्याओं का इलाज किया जाएगा।

**स्पेशल खबर** *आयुष्मान योजना से मिली निःशुल्क सेवा...*

# हृदय रोग पीड़ित जैन को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से लिफ्ट कर भेजा हैदराबाद

भोपाल(काप्र)।

**पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा आपात स्थितियों में नागरिकों को समय से उपयुक्त चिकित्सकीय सेवा मुहैया कराने में वरदान साबित हो रही है। इससे बहुमूल्य जीवन को बचाया जा रहा है।**

नरसिंहपुर जिले के करेली निवासी हृदय रोग से पीड़ित विमल कुमार जैन (उम्र-70 वर्ष) को पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से बेहतर उपचार के लिये एयर लिफ्ट कर हैदराबाद भेजा गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर द्वारा हृदय रोगी श्री जैन की स्थिति को देखते हुए कीम्स अस्पताल, हैदराबाद रेफर किया गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर से 108 एम्बुलेंस से श्री जैन को जबलपुर एयरपोर्ट तक पहुंचाया गया। जबलपुर से उन्हें पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से कीम्स अस्पताल, हैदराबाद के लिए भेजा गया। यह सेवा आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही श्री जैन को निःशुल्क प्रदान की गई।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा से प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किये जाने की सेवा प्रदाय की जाती है।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत हेली एम्बुलेंस एवं फिक्सड विंग कनवरटेंट फलाईंग एम्बुलेंस संचालित हो रही हैं। पीएम एयर एम्बुलेंस में उच्च स्तरीय प्रशिक्षित चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की टीम हमेशा तैनात रहती है। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना अथवा प्राकृतिक आपदा में पीड़ित को राज्य में एवं बाहर शासकीय अथवा निजी चिकित्सालय में निशुल्क परिवहन किया जाता है। आयुष्मान कार्डधारी के उपचार के लिये राज्य में एवं राज्य के बाहर सभी शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पतालों में उपचार हेतु निशुल्क परिवहन की व्यवस्था है। अन्य हितग्राही जो कि आयुष्मान कार्डधारी नहीं हैं, उनके उपचार के लिए राज्य के अंदर स्थित शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क परिवहन जबकि राज्य के बाहर के किसी भी अस्पताल में अनुबंधित दर पर सशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध है।